Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

D-2009

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III
BENGALI

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

HINDI
हिन्दी

PAPER-III
प्रश्नपत्र-III

नोट : यह प्रश्नपत्र कुल **चार (4)** खण्डों में विभाजित है । पूरा प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है । परीक्षार्थियों को **चारों** खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं ।

खण्ड – I

निर्देश : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

वह काव्य-धारा जो काव्य और कला के व्यक्त सौन्दर्य-प्रसाधनों, सुन्दर शब्दों और आकृतियों आदि का आग्रह करके चलती है, क्लैसीसिज्म की प्रतिनिधि कही जाती है । इसकी अतिवादी स्थिति तब आती है, जब वह निर्माण-सम्बन्धी नियमों में बँध जाती है और स्वतंत्रतापूर्वक हाथ-पैर भी नहीं हिला सकती । इसी प्रकार जो काव्य-धारा अत्यन्त अनियमित पद्धति, संयमरहित प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देती है, वह रोमेंटिक गति का सूचक है । काव्य में भावना के अतिरेक से जो असंयम आता है, नियमों की जो अवहेलना होती है, रोमेंटिसिज्म के अति की परिचायक है । एक में (क्लैसिक अतिवाद में) काव्य के शरीर-पक्ष का आग्रह सीमा को पार कर जाता है और दूसरे में (रोमेंटिक अति में) शरीर-पक्ष या आकृति की पूर्ण उपेक्षा होने लगती है ।

1. क्लैसीसिज्म काव्य-धारा से क्या तात्पर्य है ?

2. काव्य में रोमेंटिसिज्म से क्या अभिप्राय है ?

3. रोमेंटिसिज्म का अतिरेक किन परिस्थितियों में होता है ?

4. काव्य के शरीर पक्ष के आग्रह में क्लैसीसिज्म और रोमेंटिसिज्म की क्या भूमिका है ?

5. उपर्युक्त गद्यावतरण के वैचारिक सारांश को प्रस्तुत कीजिए ।

खण्ड – II

निर्देश : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । **(15 × 5 = 75 अंक)**

6. सिद्ध साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

7. सूरदास के गीति-तत्त्व का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए ।

8. केशव की संवाद-योजना की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

9. स्पष्ट कीजिए कि घनानन्द प्रेम की पीर के गायक हैं ।

10. आधुनिकता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

11. छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए ।

12. ‘समकालीन हिन्दी कविता में लोक की उपस्थिति विद्यमान है’ – कथन पर विचार कीजिए ।

13. गोदान के आधार पर मालती की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये ।

14. ‘मैला आंचल’ में आंचलिकता के स्वरूप को स्पष्ट करें ।

15. मोहन राकेश की कहानियों की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

16. 'अंधायुग' नाटक के आधार पर गांधारी के चरित्र की समीक्षा कीजिए ।

17. कुबेरनाथ राय के निबन्धों में लोक संस्कृति की अभिव्यक्ति हुई है – विचार कीजिए ।

18. काव्य-प्रयोजन का आशय स्पष्ट करें ।

19. गुणीभूत व्यंग्य पर विचार कीजिए ।

20. रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि की विवेचना कीजिए ।

खण्ड – III

निर्देश : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । **(5 × 12 = 60 अंक)**

विकल्प-I
(भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

    दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज नहिं काहुहिं व्यापा ।
    सब नर करहिं परस्पर प्रीती, चलहिं स्वधरम निरत श्रुति नीती ।
    चारिउ चरन धर्म जग माहीं, पूरि रहा सपनेउ अघ नाहीं ।
    राम भगति रत नर अरु नारी, सकल परम गति के अधिकारी ।

22. कबीर-वाणी की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए ।

23. जायसी-काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

24. 'वात्सल्य वर्णन में सूर अप्रतिम हैं', सिद्ध कीजिए ।

25. तुलसी की काव्य-दृष्टि की विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

विकल्प-II
(छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

    मसृण गान्धार देश के, नील रोम वाले मेषों के चर्म ।
    ढँक रहे थे उनका वपु कान्त, बन रहा था वह कोमल वर्म ।
    नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखुला अंग ।
    खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघ-बन बीच गुलाबी रंग ।।

22. छायावादी काव्य के सौन्दर्य-विधान का स्वरूप स्पष्ट करें ।

23. शोकगीत के रूप में, 'सरोज स्मृति' का मूल्यांकन कीजिए ।

24. 'राम की शक्ति पूजा' की दार्शनिक-पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए ।

25. पंत के प्रकृति-चित्रण की विशेषताएँ बताइए ।

अथवा

विकल्प-III
(कथा साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

    मुझे खेद है, हमारी बहनें पश्चिम का आदर्श ले रही हैं, जहाँ नारी ने अपना पद खो दिया है और स्वामिनी से गिरकर विलास की वस्तु बन गई है । पश्चिम की स्त्री स्वच्छन्द होना चाहती है, इसीलिए कि वह अधिक से अधिक विलास कर सके । हमारी माताओं का आदर्श कभी विलास नहीं रहा । उन्होंने केवल सेवा के अधिकार से सदैव गृहस्थी का संचालन किया है । पश्चिम में जो चीजें अच्छी हैं, वह उनसे लीजिए । संस्कृति में सदैव आदान-प्रदान होता आया है; लेकिन अन्धी नकल तो मानसिक दुर्बलता का ही लक्षण है ।

22. प्रेमचन्द युगीन हिन्दी उपन्यास की शिल्पगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

23. 'समकालीन हिन्दी कहानी मनुष्य से सीधे जुड़ी है', इस कथन पर विचार कीजिए ।

24. 'मैला आंचल' उपन्यास में अभिव्यक्त लोक संस्कृति और भाषा का परिचय दीजिए ।

25. कथ्य की दृष्टि से 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

विकल्प-IV
(काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'रमणीयार्थ प्रतिपादक: शब्द: काव्यम् ।' – विश्लेषण कीजिए ।

22. औचित्य सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

23. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की आलोचना-दृष्टि का मूल्यांकन कीजिए ।

24. कॉलरिज की कल्पनाविषयक अवधारणा को स्पष्ट करें ।

25. उत्तर आधुनिकता की प्रमुख स्थापनाओं का विश्लेषण कीजिए ।

खण्ड – IV

निर्देश : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(1 × 40 = 40 अंक)**

26. (क) पद्‌मावत में लोकतत्त्व ।

अथवा

(ख) कामायनी की विश्व दृष्टि ।

अथवा

(ग) हिन्दी उपन्यास और स्वाधीनता आन्दोलन ।

अथवा

(घ) हिन्दी आलोचना और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।